

FORM No III



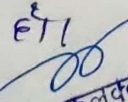
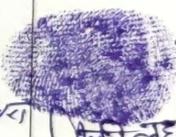
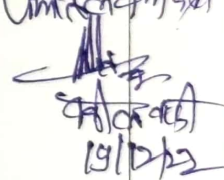
फर्द अहकाम

( नियम 26 )

अज अदालत सहायक कलक्टर (मु0) अजमेर मुकाम अजमेर

लक्ष्मी देवी बनाम रामदेव व अन्य

किस्म मुकदमा 188 आरटीए मु0न0 190/2022

| तारीख हुक्म | हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज  | नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुक्म की तामिल में जारी हुए   |
|-------------|---|---|
| 10.08.2022  | <p>वादी ने जरिये अभिभाषक वाद अर्न्तगत 188 राजस्थान काश्तकारी अधिनियम 1955 के तहत प्रस्तुत किया। वाद पत्र पर वादी के अभिभाषक को सुना गया। वाद पत्र दर्ज रजिस्टर हो प्रतिवादीगण को नोटिस जारी हो। पत्रावली दिनांक 15.09.2022 को पेश हो।</p> <p style="text-align: right;"> <br/>                     सहायक कलक्टर (मु0)<br/>                     अजमेर                 </p> <p>                     आज PO सा. के प्रशासनिक कार्यों में व्यस्त/राजकार्य में दौरे/अवकाश/स्थानान्तरण कारण पत्रावली पूर्ववत कार्यवाही हेतु उनके समस्त दिनांक-14/12/2022 को पेश हो।                 </p> <p style="text-align: center;"> <br/>                     सहायक कलक्टर (मु0), अजमेर                 </p>  |   |
| 19/12/22    | <p>वादीया व उनके अभिभाषक द्वारा ज्ञापना-पत्र वाद विद्वां करने बाबत पेश किया, जिस पर पत्रावली पेश हुई। वादीया अभिभाषक द्वारा ज्ञापना-पत्र में आदिता नम्बों की दीखाने हुए विवेक किया कि उपरोक्त वाद में पक्षकारों के पक्ष और अदालत की शक्ति से सम्बन्धित हो चुका हो इस कारण वाद-पत्र चलाने की आवश्यकता नहीं रही, वाद-पत्र विद्वां करना चाहते हो वादीया अपने हर अधिकारों की सुरक्षित रखने हुए उपर उक्त वाद को नहीं चलाने चाहते हैं। अपने-अपने के लक्षण में वादीया ने आदेशित पर ज्ञापना प्रशान्ति प्रेषित की। जिससे वादीया के अधिकारों के पक्षान की। यदि वादीया अपने प्रकरण में कोई भी नहीं चलाना चाहते हैं, अतः ज्ञापना-पत्र स्वीकार किया जाता हो वाद को इसी स्तर पर विद्वां करने के आदेश दिखे गाने हो पत्रावली केवल 18/12/22 के क्रम में पेश हो।</p> <p style="text-align: right;"> <br/>                     सहायक कलक्टर (मु0), अजमेर                 </p> | <p style="text-align: center;"> <br/> <br/>                     19/12/22                 </p> |